सीएमपीडीआई में अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप

भारत में कोयला आधारित गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकास पर बल

विशिष्ट अतिथि हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय के महानिदेशक श्री आर0एन0 चौबे ने गैर-परंपरागत ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के योगदान पर प्रकाश डाला

भारत के पास की बड़ा कोयला वाला तलहटी बेसिन है तथा हमें इसमें शेल गैस होने की अच्छी संभावना का विश्वास - कोयला सचिव

विकास को कायम रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा उपलब्ध कराने की चुनौती

रांची 13 नवम्बर। सीएमपीडीआई में **''भारत में कोयला आधारित गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकास''** विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री एस के श्रीवास्तव, सचिव (कोयला) ने कहा कि भारत में वर्तमान में ऊर्जा की कमी की स्थिति को धयान में रखकर वर्कशॉप के लिए चुनी गई विषय वस्तु काफी प्रासंगिक है तथा खासकर भारत में ऊर्जा के सभी गैर-पारंपरिक स्रोतों की संभाव्यता का दोहन करने की अत्यंत आवश्यकता है। भारत के पास पर्याप्त कोयला भंडार है, जिसमें से कुछ सीबीएम के विकास के लिए उपर्युक्त है। गहरे कोयला भंडार जिनका परंपरागत विधि से खनन करना संभव नहीं है, उसमें भी सीबीएम के विकास की संभावना विद्यमान है। कोल इंडिया लिमिटेड/सीएमपीडीआई ने मुनीडीह में यूएनडीपी/जीईएफ के सहयोग से बीसीसीएल के मूनीडीह खदान में कोल माइन मिथेन डिमांस्ट्रेशन प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है। शेल गैस ''टूमॉरोज बिग थिंग'' (Tomorrows Big Thing) से अपने आपको वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण अंग बनने के लिए तेज गति से अग्रसर है। भारत के पास काफी बड़ा कोयला वाला तलहटी बेसिन है तथा हमें इसमें शेल गैस होने की अच्छी संभावना का विश्वास है। शेल गैस संसाधान का मूल्यांकन करने के लिए शेल गैस से संबंधित विशिष्ट डाटा के सृजन की हम आवश्यकता अनुभव करते हैं तथा सीएमपीडीआई ने एमओसी की सहायता से इस पर कार्य शुरू कर दिया है। उन्होंने गैर-परंपरागत कोयला ऊर्जा स्रोत के क्षेत्र में सीएमपीडीआई द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की । उन्होंने जल्द-से-जल्द अपेक्षित उत्पादन प्राप्त करने के लिए कोयला सेक्टर के इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को तेज करने पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय के महानिदेशक श्री आर एन चौबे ने गैर-परंपरागत ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के योगदान पर प्रकाश डाला एवं सीबीएम/सीएमएम/यूसीजी एवं शेल गैस के विकास के ऊपर बल दिया। साथ इस क्षेत्र में कार्बन महानिदेशालय द्वारा इस क्षेत्र में सौंपे गए कार्य को उत्कृष्ट निष्पादन हेतु सीएमपीडीआई की भूरी-भूरी प्रशंसा की एवं भविष्य में इसे जारी रखने की आवश्यकता बतायी।

मुख्य अतिथि श्री एस0के0 श्रीवास्तव, सचिव (कोयला)

सीएमपीडीआई में अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप

भारत में कोयला आधारित गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकास पर बल

देश में कोयला आधारित गैर परंपरागत संसाधानों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक संयुक्त कार्यकारी दल निर्मित किए जाने की आवश्यकता

कोल माइन मिथेन, कोल बेड मिथेन, एबंडेंड माइन मिथेन एवं वेंटिलेटेड माइन मिथेन पर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा की गई प्रस्तुति/ विचार-विमर्श

सीबीएम/सीएमएम/यूजीसी/शेल गैस के विकास के लिए कदम उठाना अत्यावश्यक

रांची 13 नवम्बर। सीएमपीडीआई में **''भारत में कोयला आधारित गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकास''** विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन सत्र की अधयक्षता करते हुए सीएमपीडीआई के अधयक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए के देबनाथ ने कहा कि यह वर्कशॉप काफी प्रासंगिक था क्योंकि सामान्य रूप से विश्व में तथा विकासशील देशों, विशेषकर भारत में, ऊर्जा की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण टास्क का सामना कर रहा है जिसके लिए यह घातांकी (एक्सपोनेंसियल) दर पर बढ़ रहा है। विकास को कायम रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा उपलब्ध कराने की चुनौती भारत में इस दृष्टि से कठिन कार्य (हरकुलियन टास्क) है क्योंकि पेट्रोलियम संसाधानों तथा कोयला उपलब्धता की एक सीमा है तथा इनका इस्तेमाल पर्यावरण से संबंधित है। इसलिए कोयला आधारित गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत तथा सीबीएम/सीएमएम/यूजीसी/शेल गैस आदि के विकास के लिए कदम उठाना अत्यावश्यक है। कोल माइन मिथेन, कोल बेड मिथेन, एबंडेंड माइन मिथेन एवं वेंटिलेटेड माइन मिथेन पर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा की गई प्रस्तुति/ विचार-विमर्श, कोल बेड मिथेन के विभिन्न प्लेयर्स द्वारा साझा किए गए अनुभव तथा तकनीकी एवं शैक्षणिक संस्थानों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर यह सहमति बनी की अप्रयुक्त (अनटैप्ड) ऊर्जा संसाधानों अर्थात् मिथेन के गवेषण/ उत्पादन को तेजी से बढ़ाना है कि ताकि यह देश की ऊर्जा मांग की खाई को कम कर सके। यह निश्चित रूप से गैर-परंपरागत ऊर्जा संसाधानों के लिए कोयले पर निर्भरता शिफ्ट कम करने में सहायता करेगा। देश में कोयला आधारित गैर परंपरागत संसाधानों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। एक संयुक्त कार्यकारी दल निर्मित किए जाने की आवश्यकता है जो संबंधित उद्योग द्वारा किए गए कार्यों एवं विकास को साझा करने के लिए समय समय पर मिलेगी ताकि बिना ओवरलेपिंग किए डेवलपमेंट एक्शन प्लान विकसित किया जा सके।

सीएमपीडीआई के अधयक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए के देबनाथ